



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 86]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 10, 2008/फाल्गुन 20, 1929

No. 86]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 10, 2008/PHALGUNA 20, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 10 मार्च, 2008

सं. 123/(आर ई-2007)/2004—2009

सार्वजनिक सूचना सं. 107/(आर ई-2007)/2004—2009

दिनांक 7-2-2008 का शुद्धिपत्र ।

फा. सं. 01/84/162/854/एएम-08/डीईएस-5.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 और प्रक्रिया पुस्तक, (खण्ड-1) के पैरा 1.1 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा सार्वजनिक सूचना संख्या 107/(आर ई-2007)/2004—2009 दिनांक 7-2-2008 में निम्नलिखित शुद्धियाँ करते हैं ।

2. सार्वजनिक सूचना संख्या 107/(आर ई-2007)/2004—2009 दिनांक 7-2-2008 के अनुलग्नक-क की अंतिम दो पंक्तियों में प्रथम कॉलम में क्रमांक 31 एवं 37 की शुद्धि कर क्रमशः क्रमांक 30 एवं 36 पढ़ा जाए ।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है ।

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक विदेश व्यापार
एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 10th March, 2008

No. 123/(RE-2007)/2004—2009

Corrigendum to Public Notice No. 107/(RE-2007)/
2004—2009 dated 7-2-2008

F. No. 01/84/162/854/AM-08/DES-V.—In exercise of the powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009 and Paragraph 1.1 of Handbook of Procedures (Vol. 1), the Director General of Foreign Trade hereby makes the following corrections to Public Notice No. 107/(RE-2007)/2004—2009 dated 7-2-2008.

2. In the last two rows of the Annexure-A to the Public Notice No. 107/(RE-2007)/2004—2009 dated 7-2-2008, Sr. Nos. 31 and 37 appearing in first column is corrected to read as Sr. No. 30 and Sr. No. 36 respectively.

This issues in public interest.

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade
and Ex-Officio Addl. Secy.